(2) क्या यह बात सही है कि उक्त पथ में प्रिमिसिंग कालीकरण नहीं करने से इस पथ का उपयोगिता समाप्त हो जाती है;

(2) पथ पर यातायात चालू है।

(3) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक है तो सरकार कुम्भा बेला पक्की सड़क पर प्रिमिसिंग कालकिरण का कार्य बरसात से पहले पूर्ण कराने का विचार रखती है, हां तो कबतक नहीं तो क्यों ?

(3) निधि उपलब्धता के आधार पर कालीकरण कराने का कार्यक्रम है।

योजना को पूरा करना

466.श्री अनुपलाल यादव : श्री गणेश प्रसाद यादव : क्या मंत्री ग्रामीण विकास विभाग यह बतलाने की कृपा करेंगे कि–

(1) सहरसा और सुपौल जिलों में वर्ष, 1990–91 से जवाहर रोजगार योजना के तहत कितनी राशि आवंटित की गयी है;

(1) सहरसा जिला को सुपौल सहित जवाहर रोजगार योजना के अधीन वर्ष, 90–91 के लिए निर्धारित 793.68 लाख रु० के लक्ष्य के विरुद्ध कुल 1,10,688 लाख रु० की निधि

उपलब्ध करायी गयी है। इस राशि में से 200 लाख रु० की राशि वर्ष 90-91 की निधि होने के बावजूद बैंक ड्राफ्ट बनाकर जिला को उपलब्ध कराने में देरी हुई और वित्तीय वर्ष 90-91 की समाप्ति के उपरांत ही जिले को मिल सका।

(2)क्या यह बात सही है कि उक्त योजना के तहत स्वीकृत राशि सरकार द्वारा उपलब्ध नहीं कराने से सहरसा और सुपौल जिला में उक्त योजना के तहत प्रखंडों में कार्य चालू होकर निधि के अभाव में योजना अधूरा पड़ा हुआ है;

(2) स्थिति यह है कि एक वर्ष में निर्धारित उद्व्यय से कुछ अधिक राशि की योजनाएं हाथ में ली जाती है और इनमें से कुछ योजनायें जो इस वर्ष पूरी नहीं होती है अगले वर्ष पूरी कर दी जाती है। वर्ष 90-91 में निधि के अभाव में योजना के अधूरा रहने की स्थिति कभी नहीं हुई।

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक है, तो क्या सरकार अधूरा योजना को पूरा कराना चाहती है, नहीं तो क्यों?

(3) लंबित योजनाएं वर्ष 91-92 में जिलों को प्राप्त होनेवाली राशि से पूर्ण करायी जायेगी।